हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 290 देहरादून, शुक्रवार, 12 मई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने किया स्मार्ट स्कूल-स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ

3

प्लास्टिक कचरे से मुक्त होंगे उत्तराखंड के सभी गांव, धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 मई : प्रदेश की 7791 ग्राम पंचायतों को प्लास्टिक मुक्त किया जाएगा। धामी सरकार ने कार्ययोजना तैयार कर ली है, जिसे धरातल पर उतारने की कार्रवाई भी शुरू हो गई है। इसके तहत त्रिस्तरीय पंचायतों की मदद से हर घर से प्लास्टिक कूड़ा उठाने से लेकर उसके निपटारे तक की कार्रवाई की जाएगी। इस काम के लिए केंद्र सरकार की ओर से 15वें वित्त आयोग की टाइड निधि में धन की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में उत्तराखंड प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट एक्ट 2013 लागू है। गांव-गांव में प्लास्टिक पहुंच चुका है, लेकिन एक्ट में दी गई व्यवस्थाओं के तहत गांवों में इसका निस्तारण नहीं हो पा रहा था। फिलहाल, तैयार कार्ययोजना के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर घर-घर से प्लास्टिक कचरे का एकत्रीकरण कर उसे रोड हेड तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद क्षेत्र पंचायत (ब्लॉक) स्तर पर कूड़ा गाड़ियों के माध्यम से इस कचरे को कांपैक्टर तक पहुंचाया जाएगा। अगला काम जिला

पंचायतों का होगा, जो कांपैक्ट किए गए कूड़े को निस्तारण के लिए प्लास्टिक वेस्ट प्लांट तक पहुंचाएंगी। यह पूरी शृंखला एक क्लस्टर के तहत काम करेगी।

इस योजना के तहत प्लास्टिक कचरे को उठाकर कॉम्पैक्टर तक पहुंचाने के लिए प्रदेश के 95 ब्लॉकों को 95 गाड़ियां (पिकअप वाहन) उपलब्ध कराई जाएंगी। जब तक गाड़ियों की खरीद नहीं हो जाती, तब वह किराये पर गाड़ियां लेकर इस काम को किया जाता रहेगा। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी 95 ब्लाक कॉम्पैक्टर लगाए जाने हैं। अभी तक 69 ब्लॉक में लगाए जा चुके हैं। गाड़ियों की खरीद के लिए शासन से वित्तीय अनुमति मिल चुकी है। इसके अलावा हरिद्वार में बंद पड़े रिसाइकिलिंग प्लांट को भी शुरू कर दिया गया है, जहां कॉम्पैक्टर किए गए प्लास्टिक कूड़े का निस्तारण किया जाएगा।

वर्ष 2022 में सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र यादव की एक जनहित याचिका पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने प्रदेश सरकार को गांवों को प्लास्टिक से मुक्त बनाने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी शपथ पत्र के माध्यम से कोर्ट को अवगत कराने के भी निर्देश दिए थे। इसके तहत 19 मई को निदेशक पंचायती राज हाईकोर्ट में उपस्थित होकर शपथ पत्र दाखिल करेंगे।

बर्फबारी के बाद खिली धूप तो चारों धाम में दिखा अद्भुत नजारा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 मई : चारधाम में बीते दिन दोपहर बाद बर्फबारी हुई। लेकिन बर्फ़बारी के बाद धूप खिली तो बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में अद्भुत नजारा दिखा। चारधाम में दर्शन को पहुंचे तीर्थयात्रियों में उत्साह बना हुआ है। जिससे यात्री ठंड की परवाह किए जमी बर्फ का लुत्फ उठाते दिखे। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद 16 दिनों में 5.51 लाख से अधिक श्रद्धालु चार धामों में दर्शन कर चुके हैं।

केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में रोजाना बारिश व बर्फबारी के बावजूद दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। पर्यटन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को चारों धाम में 46279 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसमें केदारनाथ धाम में 21014, बदरीनाथ

धाम में 10025, गंगोत्री में 8453 और यमुनोत्री धाम में 6787 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।बदरीनाथ पहुंचीं दिल्ली की तीर्थ यात्रा प्रीती सिंह ने कहा कि उन्होंने पहली बार इतनी करीब से बर्फबारी होती देखी। बर्फबारी से बद्रीनाथ के प्राकृतिक सौंदर्य में भी निखार आ गया है। बर्फबारी से धाम में पड़ रही ठंड को देखते हुए नगर पंचायत की ओर से जगह-जगह पर अलाव की व्यवस्था कर दी गई है।

डीएम आशीष चौहान ने ली नमामि गंगे की जिला स्तरीय बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी। डीएम डॉ. आशीष चौहान ने पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाने के लिए कार्रवाई तेज करने को कहा है। नमामि गंगे की जिला स्तरीय बैठक लेते हुए डीएम उपजिलाधिकारी, ईओ नगर पालिका व नगर पंचायत के अफसरों को चालान करने को कहा गया। गुरुवार को पौड़ी में हुई बैठक में मुख्य विकास अधिकारी को समय-समय पर उपजिलाधिकारी और ईओ के साथ पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाने को बैठक करने को कहा गया। संबंधित अधिकारियों को नाला टेपिंग, सीवरेज निर्माण, बायो मेडिकल निस्तारण, नगर पालिकाओं के ठोस कूड़ा निस्तारण तथा जैव चिकित्सा अवशिष्ट निस्तारण पर गंभीरता के साथ काम करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निकाय क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिशासी अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। उपजिलाधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जनपद क्षेत्रान्तर्गत ऐसे स्थान जहां पर कूड़ा बल्क में जनरेट हो रहा हो ऐसे स्थलों का 16 मई तक चिह्नित करने,बायो मेडिकल वेस्ट के व्यवस्थित प्रबंधन हेतु मुख्य विकास अधिकारी को चिकित्सालयों का नियमित निरीक्षण व मॉनिटरिंग करने को कहा गया। डीएम ने कहा कि बायो मेडिकल वेस्ट के प्रबंधन हेतु डीप बरियल पिट की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट 5 दिन के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। व्यासघाट स्थल पर साफ-सफाई व समशान घाट का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर करने के लिए कहा गया। एएमए जिला पंचायता को निर्देश दिये कि कस्बों में साफ-सफाई करवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने संबंधित उपजिलाधिकारियों व खंडविकास अधिकारियों को 16 मई तक समस्त कॉम्पेक्टर चालू करवाने को भी कहा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डे, डीएफओ गढ़वाल स्वप्निल अनिरूद्व, जिला पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी प्रकाश खत्री, पीएम स्वजल दीपक रावत, ईओ नगर पालिका गौरव भसीन सहित अन्य अफसर भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

यात्रा रूट पर खाद्य पदार्थों के 25 नमूने अधोमानक पाये गये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई टिहरी। चारधाम यात्रा के मद्देनजर यात्रारूट पर आगराखाल, फकोट, खाड़ी, सेलूपानी, आमसेरा व चंबा में खाद्य संरक्षा व औषधि प्रशासन विभाग की मुख्यालय व जिले की संयुक्त टीम ने मोबाइल लैब की मदद से 100 खाद्य पदार्थों के नमूने मौके पर लेकर मौके पर ही नमूने के परिणाम भी जारी किये। 100 खाद्य पदार्थों में 25 खाद्य पदार्थों की रिपोर्ट अधोमानक आई। जिसे लेकर खाद्य कारोबारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। इस दौरान संयुक्त टीम ने खाद्य सुरक्षा को लेकर खाद्य कारोबारियों को प्रशिक्षण देकर अहम जानकारियां भी दी।

खाद्य संरक्षा विभाग के उपायुक्त मुख्यालय जीसी कंडवाल और जिला अभिहित अधिकारी एमएन जोशी ने बताया कि चारधाम यात्रा के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्री डा धन सिंह रावत और खाद्य संरक्षा विभाग के आयुक्त डा आर राजेश के निर्देश पर निरंतर निरीक्षण अभियान चलाये जा रहे हैं। इसी क्रम में मोबाइल लैब की मदद से भी मौके पर खाद्य पदार्थों की जांच का अभियान भी शुरू किया गया है। यात्रा रूट पर गुरुवार को 100 खाद्य पदार्थों में दूध व दूध से बने पदार्थ, मिठाई, मसाले व दाल के सैंपल लिए गये। जिनमें से दूध के तीन, मिठाई के 6, मसालों के 12 व दाल के चार नमूने अधोमानक पाये गये। जबकि अन्य मानकों के अनुरूप पाये गये। इस दौरान यात्रा रूट के खाद्य कारोबारियों के साथ कार्यशाल कर उन्हें प्रशिक्षण भी दिया। जिसमें खाद्य कारोबारियों को बताया गया कि मेहमान के रूप में आने वाले यात्रियों को ताजा व स्वच्छ खाना परोसें। खाद्य पदार्थों की खामियों से अवगत कराते हुए भविष्य में लापरवाही पर वैधानिक कार्यवाही चेतावनी भी दी। इसके साथ ही खाद्य लाईसेंस, पंजीकरण, फूड सेप्टी डिस्प्ले बोर्ड, रेट लिस्ट, धुम्रपान निषेध सम्बंधी चेतावनी को लेकर सचेत करते हुए आवश्यक नियमों की जानकारी दी गई। मिठाईयों के निर्माण में अनुमन्य खाद्य रंगों के संयमित उपयोग, मिठाईयों की निर्माण व उपभोग तिथि को प्रदर्शित करने, खाद्य तेल का तीन बार से अधिक प्रयोग न करने व खाद्य सुरक्षा नियमों को लेकर जानकारियां दी गई। बताया कि मोबाईल खाद्य विश्लेषण वैन में 50 रूपये का शुल्क देकर किसी भी खाद्य पदार्थ की जांच करवा सकते हैं। मिलावटी सामग्री बेचे जाने पर इसकी सूचना टोलफ्री नंबर 18001804246 पर दे सकते हैं। इस अभियान के दौरान 80 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त मुख्यालय जीसी कंडवाल, उपायुक्त खाद्य विश्लेषणशाला आरएस कठैत, जिला अभिहित अधिकारी एमएन जोशी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा शारदा शर्मा, कनिष्क विश्लेषक मोहित कुमार, एफडीए विजिलेंस संजय नेगी आदि मौजूद रहे।

लीजिये मुस्कुराने की ट्रेनिंग, कोचिंग सेंटरों में दे रहे भारी पैसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 मई , मुस्कुराना जीवन के लिए बहुत जरूरी है. डॉक्टर कहते हैं कि चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान हर बीमारी का इलाज है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा होगा कि मुस्कुराना सीखने के लिए भी पैसे देने पड़ेंगे? ट्रेनर रखने होंगे, कोचिंग सेंटरों में जाना होगा. शायद नहीं. मगर जापान में ऐसा हो रहा है.वहां के लोग मुस्कुराना भूल गए हैं. अब उन्हें यह सीखना पड़ रहा है और इसके लिए भारी भरकम रकम चुकानी पड़ रही है.डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी की वजह से 3 साल तक लोग मास्क के पीछे चेहरा छिपाकर रहे. पिछले हफ्ते सरकार ने सभी पाबंदियां हटा लीं तो पता चला कि लोग मुस्कुराना भूल गए हैं. उन्हें डर है कि वे इतने लंबे समय से मास्क पहन रहे हैं कि भूल गए हैं कि मुस्कुराना कैसे है. इसके लिए पैसे खर्च कर रहे हैं. एक्सपर्ट रख रहे हैं. कई लोगों को लगता है कि मास्क की वजह से अब उनके चेहरे पर हंसमुख भाव नहीं आ रहे हैं, इसलिए विशेषज्ञों का रुख कर रहे हैं.

दबाव में मुस्कुराए तो चेहरे पर दिखने लग रहीं झुर्रियां

जापान टाइम्स से बात करते हुए, स्माइल ट्रेनर मिहो किटानो ने कहा-मैंने तमाम लोगों से सुना कि भले ही वे अपना मास्क हटा सकते हैं लेकिन अभी भी वह चेहरे का निचला हिस्सा नहीं दिखाना चाहते. क्योंकि उन्हें डर है कि मुस्कुराकर वह जवाब नहीं दे पाएंगे. कुछ को लगता है कि अगर वे ज्यादा दबाव डालकर मुस्कुराना भी तो चेहरे पर और आंखों के चारों ओर ज्यादा झुर्रियां नजर आने लगती हैं, इससे वे बुजुर्ग दिखाई देते हैं. ऐसा लगता है कि उनका चेहरा लटक गया है. इसलिए वह जबरदस्ती मुस्कुराना नहीं चाहते.

एक्सपर्ट मुस्कान में मदद करने वाले योगाभ्यास करा रहे

किटानो ने बताया कि उनकी कंपनी स्माइल फेशियल मसल एसोसिएशन का कारोबार इसी वजह से आसमान छूने लगा है. लोग कोविड के पहले जैसा चेहरा और हाव भाव देखना चाहते हैं. जब उनसे पूछा गया कि आखिर सेंटर पर होता क्या है? उन्होंने जवाब दिया, स्माइल एक्सपर्ट मुस्कान में मदद करने वाले योगाभ्यास कराती हैं. उन्हें काटने के लिए कुछ चीजें दी जाती हैं ताकि उनके गाल की मांसपेशियों को ऊपर उठाने में मदद मिले. दांत दिखाने में मदद मिले. वह कहती हैं कि मैं कई ऐसे लोगों से मिलती हूं जो मुस्कुराने में अच्छे नहीं हैं, लेकिन उन्हें किया जा सकता है. उनकी मसल्स को ठीक करना होगा. भुजाओं का व्यायाम कराना होगा.

लड़कियों के कपड़े उतरवाना शर्मनाक, नीट परीक्षा मामला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 मई , ये खबर आपके और स्टूडेंट्स के लिए जितनी अहम है उतनी ही हमारे एजुकेशन सिस्टम के लिए शर्मनाक भी है। जो कुछ बीते रविवार 7 मई को देश भर में मेडिकल से जुड़ी NEET परीक्षा के आयोजन के दौरान हुआ वो अफसोसनाक है। इस दौरान महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ सहित कई जगह से छात्राओं की तलाशी से जुड़ा नया विवाद सामने आया। चेन्नई के एक परीक्षा केंद्र पर स्टूडेंट्स को एग्जाम से पहले खुले में इनरवियर हटाने और कपड़े बदलने के लिए मजबूर किया गया। यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी हाल के दिनों में इसी तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

स्टूडेंट के इनरवियर उतरवाने पर महिला पत्रकार ने किया ट्वीट

परीक्षा खत्म होने ने बाद चेन्नई के एक परीक्षा केंद्र पर महिला पत्रकार को कुछ ऐसा देखने को मिला जिसके बाद पत्रकार ने उसको ट्वीट किया। नाम न छापने की शर्त पर पत्रकार ने लिखा कि उसने देखा, एक लड़की एक कोने में बेसुध बैठी है, उसने आगे बढ़कर उस लड़की से पूछा कि क्या उसके साथ क्या हुआ।छात्रा ने बताया कि परीक्षा में उससे ब्रा उतारने को कहा गया। यह सुनकर पत्रकार ने उसे एक शॉल दी ताकि वह खुद को ढक सके। हालांकि, लड़की ने यह कहकर मना कर दिया कि उसका भाई उसे लेने आ रहा है।

बेरहमी से ट्रोल हुई महिला पत्रकार

पत्रकार द्वारा इस घटना को लेकर ट्वीट किए जाने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने पत्रकार को ट्रोल किया और ट्वीट हटाने के लिए दबाव बनाया। हालांकि, वह वहां नहीं रुकी और आगे लिखा कि परीक्षा में शामिल होने वाली कई लड़कियों ने ब्रा नहीं पहनी थी। उन्होंने ट्वीट किया, 'मुझसे अश्लील सवाल पूछने वालों को परीक्षा बोर्ड से पूछना चाहिए कि ब्रा पहनने की अनुमति है या नहीं।'

बेटी ने पहनी थी जींस, सेंटर पर नहीं मिली एंट्री, मां ने लेगिंग पहनाई, तब दी परीक्षा

पश्चिम बंगाल के हुगली में कुछ छात्राएं परीक्षा केंद्र पर जींस पहनकर चली गईं। लेकिन उसकी उन्हें इजाजत नहीं थी। ऐसे में उन्हें अपनी मां की पहनी गई लेगिंग्स अपनी जींस बदलनी पड़ी। यह सब भी खुले में हुआ।कुछ लड़कियों को तो खुले में ही कपड़े चेंज करने पड़े। परिजनों ने घेरा बनाया, तब जाकर उनकी बेटियों ने कपड़े बदले। सिर्फ यही नहीं, बंगाल के हिंदमोटर में स्थित एचएमसी एजुकेशन सेंटर पर छात्रों को भी पैंट बदलने या अंदर पहने गए कपड़े को खोलकर दिखाने को कहा गया।

इस बार 21 लाख स्टूडेंट्स ने कराया था नीट में रजिस्ट्रेशन अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए नेशनल एलि-जिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट NEET UG 2023 पूरे देश में आयोजित किया गया। इस साल सबसे ज्यादा करीब 21 लाख स्टूडेंट ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। अकेले तमिलनाडु में 1.5 लाख स्टूडेंट नीट परीक्षा में शामिल हुए।पिछले साल केरल के कोल्लम जिले में ड्रेस कोड से जुड़ा ऐसा ही विवादित मामला सामने आया। मार्थोमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेंटर NEET परीक्षा देने गई छात्रा से एग्जाम सेंटर पर ब्रा उतारने के लिए कहा गया। ये घटनाये बताती हैं कि स्टूडेंट्स को किस तरह के हालात का सामना करना पड़ता है लेकिन ज़रूरत नियम कायदे में सुधार और प्रबंधन के संवेदनशीलता अपनाने की है।

वजन करना है कम तो इस तरह खाना शुरू कर दें शिमला मिर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : वजन कम करने के लिए डाइट में बहुत सी चीजें शामिल की जाती हैं. चाहे फल हों या सब्जियां और ड्रिंक्स सभी ऐसे चुने जाते हैं जो कैलोरी में कम लेकिन फाइबर और प्रोटीन में ज्यादा हो और इनसे शरीर को कई तरह के एंटी-ऑक्सीडेंट्स मिल सकें. यहां जिस सब्जी का जिक्र किया जा रहा है वो है शिमला मिर्च. लाल, पीली और ज्यादातर बाजार में हरी रंग की मिलने वाली शिमला मिर्च (Capsicum) सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित होती है. खानपान में शिमला मिर्च को सही तरह से शामिल किया जाए तो वजन कम होने में मदद मिल सकती है.

शिमला मिर्च एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है. इसमें विटामिन सी की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है. अन्य पोषक तत्वों की बात करें तो शिमला मिर्च (Bell Pep-per) में विटामिन बी 6, विटामिन के 1, पोटेशियम, फोलेट, विटामिन ई और विटामिन ए पाए जाते हैं और यह फाइबर की भी अच्छी स्त्रोत है. इसके अलावा 100 ग्राम लाल शिमला मिर्च में 31 कैलोरी, 92 प्रतिशत तक वॉटर, 6 ग्राम कार्ब्स, 2.1 ग्राम फाइबर और 0.3 ग्राम फैट (Fat) पाया जाता है. इसके अलावा पीली शिमला मिर्च आने पर पेट लंबे समय तक भरा भी रहता है और बार-बार भूख नहीं लगती जिससे फूड इनटेक कम होने में मदद मिलती है. शिमला मिर्च का सेवन मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में अच्छा असर दिखाता है और इसे खाने पर वजन घटना शुरू हो जाता है. शिमला मिर्च कैलोरी बर्न करने में खासतौर से असर दिखाता है.

शिमला मिर्च को डाइट में अलग-अलग तरह से शामिल किया जा सकता है जिसमें से पहला तरीका है कि आप इसे सलाद के साथ खा सकते हैं. शिमला मिर्च उन सब्जियों में शामिल है जिसे बेझिझक कच्चा खा सकते हैं. इसे सलाद (Salad) में खाने पर स्वाद भी कई गुना बढ़ जाता है. सैंडविच में डालकर भी शिमला मिर्च खा सकते हैं. शिमला मिर्च को लंबा, पतला या चौड़ा जैसे चाहे वैसे काटें. रोटी के साथ खाने के लिए शिमला मिर्च की सब्जी बनाकर भी खा सकते हैं. शिमला मिर्च का सूप भी बेहद स्वादिष्ट बनता है. आप इसमें ब्रोकोली भी मिला सकते हैं.

मुख्यमंत्री ने किया स्मार्ट स्कूल-स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारंभ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 मई : आदर्श चंपावत एवं आदर्श उत्तराखण्ड बनाने की दिशा में बढ़ा एक और कदम- मुख्यमंत्री प्रथम चरण में 137 विद्यालय चुने गये है इस अभियान में। लगभग 5500 बच्चे होंगे लाभान्वित मुख्यमंत्री ने 10 विद्यालयों को संपर्क टीवी, डिवाइस एवं शिक्षा किट भी की प्रदान। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार के माध्यम से बच्चों तक आसानी से बनेगी शिक्षा की पहुंच।

विद्यालयों में होगी स्मार्ट कक्षाएं संचालित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को चम्पावत के गोरलचोड़ स्थित आडिटोरियम में स्मार्ट स्कूल-स्मार्ट ब्लॉक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में नये आयाम प्राप्त होंगे उन्होंने इसे चंपावत को आदर्श जनपद बनाने की दिशा में बढ़ाया कदम बताते हुए कहा कि यह आदर्श उत्तराखण्ड के लिये भी अच्छी पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''सम्पर्क'' अर्थात ''जुड़ना'', समाज के वंचित और हाशिए पर रह रहे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना संपर्क फाउण्डेशन के उद्देश्य को सार्थक करता है। उन्होंने इसके लिये सम्पर्क फाउण्डेशन के प्रयासों को भी समाजहित में बताया। उन्होंने कहा कि आज का युग साइंस और टेक्नोलॉजी का है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी कहा करते हैं कि देश के विकास के लिए लोग साइंस और टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम कार्यों को आसानी के साथ ही कम समय में अधिक काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा की विद्यालयों को संपर्क स्मार्ट डिवाइस दिए गए हैं जिससे बच्चे आसानी से, सरल भाषा में, आनंदमय तरीके से शिक्षा ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। दुनिया में अनेक देशों की अर्थव्यवस्था बिगड़ रही है, खराब हो रही है वहीं भारत की अर्थव्यवस्था इस विषम समय में भी 11 वें स्थान से 5 वें स्थान की अर्थव्यवस्था बन गई है। आने वाले समय में स्वतंत्रता की शताब्दी में भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला भारत बन जाएगा। किसी भी देश का सामाजिक एवं आर्थिक विकास उस देश के नौनिहाल व बच्चे है। उनकी शिक्षा किस प्रकार की हो, उसकी गुणवत्ता किस प्रकार की हो उस पर निर्भर करता है। यह सब कार्य शिक्षकों के जिम्मे है। पहला संस्कार माता-पिता देते हैं दूसरा शिक्षक गण देते हैं। उन्हें जीवन में शिक्षा देने, आगे बढ़ाने का कार्य शिक्षक करते हैं। चंपावत से निकलने वाले बच्चें विभिन्न क्षेत्रों में जाएंगे वहां जाकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करने के साथ ही गांव, क्षेत्र, जिला, प्रदेश का नाम रोशन करेंगे, वहीं शिक्षकों का भी नाम रोशन करेंगे, जहां से उन्होंने शिक्षा ग्रहण की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा का चम्पावत में बनाये जा रहे कैंपस का शासनादेश जारी कर दिया गया है। साथ ही चम्पावत जिले के सभी विद्यालय भवनों का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण सहित सभी में आवश्यक सुविधाए उपलब्ध करायी रही है, उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े. व्यक्ति तक आधुनिक शिक्षा पहुँचाने का कार्य संपर्क फाउण्डेशन, सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। राज्य के सरकारी स्कूलों में अभिनव और अपनी तरह का पहला अध्ययन कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए राज्य सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह साझेदारी शिक्षा की बेहतरी के लिये किया जा रहा प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार हो रहे हैं साथ ही अनेक चुनौतियां भी आई है। इन सभी चुनौतियों के मध्य नई शिक्षा नीति आई है। यह नीति स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा को नए आयाम देने का कार्य करेगी। वही सभी वर्गों के लोगों के लिए समानता के अधिकार के तहत शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी। नई शिक्षा नीति के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं के अध्ययन छात्र छात्राओं को लाभ मिलेगा। उत्तराखंड प्रथम राज्य है जिसने नई शिक्षा नीति है जो उसे स्कूली शिक्षा में पूरी तरह से लागू किया गया है। संपर्क फाउंडेशन ने इस कार्य में जो स्मार्ट कक्षाओं की नींव रखी गई है उससे बच्चों को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर सम्पर्क फाउंडेशन के फाउंडर चेयरमैन, विनीत नायर ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि शासकीय स्मार्ट स्कूल्स स्मार्ट ब्लॉक्स कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य में चंपावत जिले के चंपावत ब्लॉक में 137 स्कूलों के 274 शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर 5484 बच्चों के अध्ययन के परिणामों में सुधार लाना है। चंपावत ब्लॉक में 100 दिनों तक सफल क्रियान्वयन करने के बाद इस कार्यक्रम का विस्तार समयबद्ध तरीके से पौड़ी जिले के खिर्सु ब्लॉक में किया जाएगा। सम्पर्क की टीम शिक्षकों की क्षमताओं का विकास भी सुनिश्चित करेगी ताकि शिक्षण व्यवस्थित और आसान बन सके। उन्होंने बताया कि सम्पर्क फाउंडेशन अपने अभिनव अध्ययन के संसाधनों की संपूर्ण श्रृंखला को स्मार्ट स्कूल्स स्मार्ट ब्लॉक्स प्रोग्राम में ले कर आया है। ये संसाधन राज्य के पाठ्यक्रम और एससीईआरटी के अनुरूप है, और कक्षा में अध्ययन की प्रक्रिया को पूरी तरह से बदल देंगे सुविधा युक्त बनाने में मददगार होगा। इस कार्यक्रम के लिए सम्पर्क द्वारा प्रदान किए जाने वाले संसाधनों में हर स्कूल के लिए टीवी सेट, सम्पर्क टीवी डिवाइस, सम्पर्क स्मार्ट शाला एप्लीकेशन, सम्पर्क दीदी ऑडियो बॉक्स के साथ गणित एवं अंग्रेजी किट, 500 पाठ योजना , 1100 पाठ के वीडियो, टीएलएम के साथ 450 गतिविधियां, कक्षा और विषय के अनुरूप 2000 मार्कशीट, मूल्यांकन के लिए 3000 प्रश्न - केबीसी के प्रारूप में सम्पर्क दीदी के सवाल, कक्षा 6 से 8 के लिए विज्ञान विषय पर गाने एवं प्रयोग के वीडियो और शिक्षकों के लिए संसाधन पुस्तिका शामिल हैं।उन्होंने कहा कि सम्पर्क एफएलएन टीवी कक्षा 1 से कक्षा 5 के लिए एक किफायती प्लग-एंड-प्ले डिवाइस है, जिसमें एक एंड्रॉयड सेट-टॉप बॉक्स और एक रिमोट होता है। इसे संभालना और चलाना बहुत आसान है और यह सामान्य टेलीविज़न को एक संवादपूर्ण एवं दिलचस्प अध्ययन के मंच में बदल देता है, जिससे कक्षा एक स्मार्ट क्लासरूम बन जाती है। सम्पर्क की टीम जिला, ब्लॉक, और क्लस्टर के स्तर पर शैक्षणिक पदाधिकारियों को स्कूलों और कक्षाओं में टीएलएम और संसाधनों के उपयोग पर निगरानी रखने का प्रशिक्षण भी देगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी नरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने एक आदर्श चंपावत की जो अवधारणा दी थी वह सफलता के नए मुकाम गढ़ रही है। जिसके तहत चम्पावत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जनपद के विकास के लिए शासन की ओर से लगातार फंडिंग भी उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें कुछ कार्य प्रारंभ हो चुके हैं तथा कुछ कार्य योजना स्तर पर हैं। जनपद में साइंस सेंटर का भी निर्माण होने जा रहा हैं। जिसके लिए भूमि भी हस्तांतरित की जा चुकी है साथ ही डीपीआर के लिए भी धनराशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि चंपावत शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के क्षेत्र में अलग ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के प्रयास से पिटकुल सीएसआर के तहत पहली बार जनपद के बहुत से विद्यालय (हाईस्कूल व इंटरमीडिएट कॉलेजों) में कंप्यूटर लैब लगाई जाएंगी साथ ही उन्होंने बताया कि आपदा मद, अनटाइट फंड व जिला योजना से लगभग 10 करोड़ की धनराशि शिक्षा विभाग को दी जा चुकी है। जिसके परिणाम भी दिखने लगे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को 20 लाख की धनराशि दी गई है, जिससे वहां भी सुधार हो रहा है।जिलाधिकारी ने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री जी द्वारा कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों के लिए स्कूल में बनने वाले विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए जो ऐतिहासिक कदम उठाया गया है उससे विद्यार्थियों को बहुत फायदा मिलेगा और साथ ही शिक्षा का स्तर और भी इम्प्रूव होगा।

देहरादून : भागीरथी के बाद और नदियों में शुरू होगी राफ्टिंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 मई : प्रदेश में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भागीरथी नदी के बाद और नदियों में भी राफ्टिंग शुरू की जाएगी। तकनीकी समिति की जांच रिपोर्ट के बाद राफ्टिंग के लिए लाइसेंस जारी किए जाएंगे। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि साहसिक गतिविधियों से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर खुलेंगे।

महाराज ने कहा कि राज्य में साहसिक पर्यटन में रिवर राफ्टिंग की अपार संभावनाएं हैं। अभी तक देश-दुनिया से आने वाले पर्यटकों के लिए गंगा में राफ्टिंग आकर्षण का केंद्र है।

प्रदेश सरकार राफ्टिंग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। गंगोत्री की यात्रा करने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भागीरथी नदी में हर्सिल से राफ्टिंग का आनंद ले सकेंगे।

पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने बताया कि राज्य की अन्य नदियों में भी राफ्टिंग की अपार संभावनाएं हैं। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने अप्रैल में भागीरथी नदी में विश्व प्रसिद्ध पर्यटक स्थल हर्सिल से आरंभ कर 15 किलोमीटर की दूरी को रिवर राफ्टिंग और कयाकिंग गतिविधियों के लिए उपयुक्त पाया। इसी के साथ एक कंपनी को भागीरथी में हर्सिल से रिवर राफ्टिंग व कयाकिंग करने का लाइसेंस दे दिया गया है।

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के अतिरिक्त अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुंडीर ने बताया कि पहली बार भागीरथी में लाइसेंसधारी कंपनी ने सफलतापूर्वक पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को रिवर राफ्टिंग कराई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही स्थानीय युवकों को रिवर राफ्टिंग को व्यवसाय के रूप आरंभ करने के लिए प्रेरित कर उन्हें लाइसेंस देकर भागीरथी नदी में साहसिक पर्यटन से रोजगार शुरू किया जाएगा।

कर्णप्रयाग - जहां है इकलौता कर्ण मंदिर, जहां मिला था कवच कुंडल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 मई , कर्णप्रयाग उत्तराखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक है । यह उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में एक प्रसिद्ध शहर और नगरपालिका बोर्ड है । कर्णप्रयाग, अलकनंदा नदी के पांच प्रसंग (पांच संगम), अलकनंदा संगम और पिंडार नदी के संगम पर स्थित है । अलकनंदा और पिंडर नदी के संगम पर बसा शहर "कर्ण-प्रयाग" एक बहुत ही खूबसूरत शहर है । संगम से पश्चिम की ओर शिलाखंड के रूप में दानवीर कर्ण की तपस्थली और मंदिर हैं। बद्रीनाथ धाम जाते समय साधुओं , ऋषियों , मुनियों एवम् पैदल तीर्थयात्रियों को कर्णप्रयाग शहर से गुजर कर जाना होता है ।

देवभूमि की पहचान है कर्णप्रयाग

कर्णप्रयाग पौराणिक समय में एक उन्नतिशील बाज़ार भी था और देश के अन्य जगह से आकर लोग यहाँ निवास करने लगे क्यूंकि यहाँ व्यापार के अवसर उपलब्ध थे । इन गतिवधियो पर वर्ष 1803 को बिरेही बाँध के टूटने के कारण रोक लग गयी । उस समय इस स्थान में प्राचीन "उमा देवी मंदिर" का भी नुकसान हुआ । कर्णप्रयाग की संस्कृति उत्तराखंड की सबसे पौराणिक एवम् अद्भुत नन्द राज जट यात्रा से जुडी है ।.

पौराणिक मान्यता या कथा के अनुसार पौराणिक समय में कर्ण ने उमा देवी की शरण में रहकर इस संगम स्थल में भगवान सूर्य की कठोर तपस्या की थी जिससे भगवान शिव , कर्ण की तपस्या को देखकर प्रसन्न हुए और भगवान सूर्य ने उन्हें अभेद्य कवच , कुंडल और अक्षय धनुष प्रदान किया था । कर्ण मंदिर इस स्थान पर स्थित होने के कारण इस स्थान पर स्नान के बाद दान करना अत्यंत पूर्णकारी माना जाता है । यह भी कहा जाता है कि भगवान कृष्ण ने इसी स्थान पर कर्ण का अंतिम संस्कार किया था । इसलिए इस स्थान पर पितरो को तर्पण देना भी महत्वपूर्ण माना जाता है । कर्णप्रयाग की अन्य कथा यह है कि जब भगवान शिव के द्वारा अपमान किये जाने पर माँ पार्वती ने अग्नि कुंड में कूद गई थी तो उन्होंने हिमालय की पुत्री के रूप अपना दूसरा जन्म उमा देवी के रूप में लिया और उन्होंने शिव को पाने के लिए कठिन तपस्या की थी और इसी स्थान पर माँ उमा का प्राचीन मंदिर भी है इस मंदिर की स्थापना 8वी सदी में आदि शंकराचार्य द्वारा हुई । जबकि इस स्थान पर बहुत पहले से ही उमा देवी की मूर्ति स्थापित थी । कहा जाता है कि संकसेरा के एक खेत में उमा का जन्म हुआ । .

कर्ण मंदिर संगम स्थल के बाए किनारे पर बनाया गया है , जो की कर्ण के नाम पर है । पुराने मंदिर का वर्तमान समय में पुनःनिर्माण हुआ है । और इस मंदिर में मानव के आकर से भी बड़े आकर की कर्ण एवम् भगवान कृष्ण की मूर्ति मंदिर में स्थापित है ।

मंदिर के अन्दर छोटे मंदिर भी स्थित है जो कि भूमिया देवता , राम , सीता एवम् लक्ष्मण , भगवान शिव एवम् माँ पार्वती को समर्पित है ... अगर आप देवभूमि की विरासत और समृद्ध धरोहरों को देखना चाहते हैं तो एक बार कर्णप्रयाग ज़रूर जाइये

त्वचा को धूप से बचाने के लिए करें सही सनस्क्रीन का चुनाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : एक्सपर्ट्स का मानना है की गर्मी के मौसम में चाहे हम घर पर हों या घर से बाहर हमें साल के पूरे 365 दिन हमारी त्वचा को धूप से बचाना चाहिए। कॉस्मेटोलॉजिस्ट नमिता पंढरीपांडे का कहना है कि गर्मियों में पिगमेंटेशन, टैन और सनबर्न से बचने के लिए हर रोज सनस्क्रीन लगाना बहुत जरूरी है। इस आर्टिकल में उनसे जानिए क्यों हर्बल सनस्क्रीन हमारी स्किन के लिए आवश्यक है।मौसम कोई भी हो, त्वचा को हेल्दी बनाए रखने के लिए SPF लगाना चाहिए ।

खासकर इस बदलते मौसम में हमारी स्किन की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन सबसे ज्यादा जरूरी होता है। सूरज की UVA और UVB किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं वहीं तेज धूप में एक्सपोजर स्किन कैंसर का कारण बन सकता है।

हमें सनस्क्रीन की मदद से इन किरणों से हमारे स्किन की रक्षा करनी चाहिए। कॉस्मेटोलॉजिस्ट नमिता पंढरीपांडे, आर एंड डी-पर्सनल केयर नेटसर्फ कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड (Namita Pandharipande, R & D- Personal Care, Netsurf Communications Pvt. Ltd.) सनस्क्रीन से जुड़ी कुछ जरूरी बातें यहां हमारे साथ शेयर करेंगी।नमिता कहती है सनस्क्रीन खरीदते समय कम से कम 30 SPF रेटिंग वाला सनस्क्रीन चुनना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ' हमेशा एक नेचुरल एक्सट्रैक्ट वाले सनस्क्रीन का चुनाव करें क्योंकि इसके कई कम्पाउंड में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-एजिंग प्रॉपर्टीज होती हैं।' साथ ही उन्होंने SPF 30 यूज करने के कुछ खास कारण यहां शेयर किये हैं।

गर्मियों में इन फूड्स से बना लें दूरी, कंट्रोल में रहेगा ब्लड शुगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : बदलती लाइफ-स्टाइल और गलत खानपान के कारण डायबिटीज के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। गर्मियों में मरीजों को हाई ब्लड शुगर लेवल की चिंता बनी रहती है। इसलिए डायबिटीज के रोगियों को इस मौसम में विशेष ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। गर्मियों के मौसम में डायबिटीज के मरीजों को बार-बार पेशाब आने की वजह से शरीर में पानी की कमी हो सकती है । अगर आप इस मौसम में ब्लड शुगर कंट्रोल करना चाहते हैं, तो आपको इन चीज़ों को खाने से परहेज करना चाहिए।

सूजी से कई तरह के स्वादिष्ट स्नैक्स बनाया जा सकता है। इससे नाश्ता बनाने में काफी कम समय भी लगता है। लेकिन इसमें स्टार्च भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो डायबिटीज के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। डायबिटीज के मरीजों को बिस्कुट और नमकीन का सेवन कम करना चाहिए क्योंकि इसमें मैदा होता है। रेडी-टू-ईट वाले फूड्स भी खाने से बचना चाहिए गर्मी हो या कोई और मौसम, डायबिटीज के रोगियों को तैलीय भोजन खाने से बचना चाहिए।

इससे आपका वजन बढ़ सकता है । आलू और शकरकंद जैसी सब्जियों में अन्य की तुलना में अधिक कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है।

मधुमेह रोगियों को स्टार्च युक्त फूड्स खाने से बचना चाहिए। ऐसे में आप अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जरूर शामिल करें। आइसक्रीम में चीनी और कैलोरी की मात्रा अधिक होती है और इससे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ सकता है। हालांकि, कुछ शुगर-फ्री, लो-कैलोरी आइसक्रीम का भी ऑप्शन चुन सकते हैं।

उत्तराखंड में भूकंप से हिली धरती, दहशत में घरों से बाहर निकले लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 12 मई : उत्तराखंड में लगातार आ रहे भूकंप के झटके चिंता का सबब बन रहे हैं। भू वैज्ञानिक भी बता चुके हैं कि उत्तराखंड में कभी भी 8 रिक्टर स्केल का भूकंप आ सकता है, जो कि तुर्की और सीरिया में आए भूकंप से ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। इस बीच उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में आज सवेरे भूकंप के झटके महसूस किये गए।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक ये भूकंप सुबह 5 बजकर 1 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे बताया जा रहा है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया है कि इससे पहले जनवरी में भी उत्तर-उत्तर पश्चिम पिथौरागढ़ में 4.2 की तीव्रता का भूकंप आया था। वास्तव में उत्तराखंड में बार बार आ रहे भूकंप के झटके आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी का सबब बन सकते हैं।

पर्यटन स्थलों के साथ ही इन शहरों के रेलवे स्टेशन भी हैं काफी खूबसूरत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : भारत के ऐसे कई शहर है जहां घूमने का सपना लगभग हर घुमक्कड़ का होता है। कोई शहर अपने खानपान के लिए मशहूर है, तो कोई खरीदारी के लिए, कोई झीलों के लिए तो कोई महलों के लिए। लेकिन क्या आप ऐसे शहरों के बारे में हम जानते हैं जो पर्यटन स्थलों के साथ-साथ अपने खूबसूरत और साफ-सुथरे रेलवे स्टेशन के लिए मशहूर हैं? अगर नहीं, तो आज हम आपको ऐसे ही कुछ शहरों की सैर पर ले चलने वाले हैं।

कूनूर रेलवे स्टेशन इस शहर को देशभर से जोड़ने का काम करता है और यहां आने वाले यात्रियों को तमिलनाडु के नीलगिरि के इस खूबसूरत हिल स्टेशन लेकर आता है। रेलवे स्टेशन के खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं आसपास के हरे-भरे नजारे। यह रेलवे स्टेशन नीलगिरि माउंटेन रेलवे का हिस्सा है जो दुनियाभर में मशहूर है। शहर में घूमने वाली जगहों की कोई कमी नहीं, लेकिन समय निकालकर कूनूर रेलवे स्टेशन भी देखें। जो आपके ट्रिप को बना देगा यादगार।

अपनी नज़ाकत और जायकों के लिए दुनियाभर में मशहूर लखनऊ शहर की बात ही अलग है। इस शहर में घूमने वाली जगहों की कोई कमी नहीं लेकिन अगर आप यहां आने का प्लान बना रहे हैं और आपके शहर से लखनऊ की दूरी बहुत ज्यादा नहीं, तो कोशिश करें ट्रेन से आने की। लखनऊ का चारबाग़ रेलवे स्टेशन बेहद खूबसूरत और व्यस्त स्टेशन है। यह अंग्रेज़ों के समय की एक खूबसूरत इमारत है, जो अंदर और बाहर दोनों से बेहद आकर्षक है। रेलवे स्टेशन की ऊपर से खिंची गई तस्वीरें बिल्कुल शतरंज की बिसात जैसी लगती है और लम्बे-लम्बे खंबे, नीचे बने हुए गुम्बद शतरंज के खिलाडियों जैसे नजर आते हैं।

आतंक का पर्याय बना गुलदार आखिरकार पिंजरे में हुआ कैद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 मई : विकासनगर के शंकरपुर में आतंक का पर्याय बना गुलदार आखिरकार पिंजरे में कैद हो गया। सहसपुर के शंकरपुर स्थित राम पाली के पास वन विभाग ने लगाया था, जिसमें बीते दिन गुलदार कैद हो गया। गुलदार को पिंजरे में कैद देख लोगों ने राहत की सांस ली। देहरादून के विकासनगर के शंकरपुर में गुलदार की टारगेट किलिंग ने शिकारियों को चौंका दिया है। अधिकारियों का कहना है कि महमूद नगर बस्ती में चार साल के मासूम को मारने से पहले गुलदार ने तीन महीने पहले भी उस पर हमले की कोशिश की थी। इसके बाद घर में खेल रहे पांच बच्चों के बीच से गुलदार ने उसी को अपना शिकार बनाया। उनका दावा है कि एक शिकार पर दो बार हमला करने की एकमात्र घटना जिम कार्बेट की किताब में दर्ज है। इसके अलावा ऐसा कोई दूसरा मामला नहीं आया है। अधिकारियों का कहना है कि पिछले नौ महीने से यह क्षेत्र में आतंक का पर्याय बना हुआ है। आम लोगों की सुरक्षा के लिए गुलदार को मारना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के सोलन के रहने वाले आशीष दास गुप्ता के

नेतृत्व वाली शिकारियों की टीम में मुरादाबाद के राजीव सोलोमन, मेरठ के सैय्यद अली बिन हादी शामिल हैं।

चमोली : युवक पर हर दिन तंज कसती थी महिला, युवक ने उतारा मौत के घाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली : गोपेश्वर में एक बुजुर्ग महिला के मर्डर के आरोप में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि युवक ने बुजुर्ग महिला को केवल इससे मारा कि वह उसे काम करने के लिए बोला करती थी। रोजगार की सलाह देने पर बुजुर्ग महिला के सिर पत्थर से वार कर हत्या करने के आरोपी को जोशीमठ पुलिस ने कर्णप्रयाग से गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल कोतवाली जोशीमठ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम टंगड़ी मल्ली में 29 मार्च को 76 वर्षीय जेठी देवी के सिर व चेहरे पर पत्थर से हमला हुआ था। घायल जेठी देवी के स्वजन उनको उपचार के लिए पहले गोपेश्वर जिला चिकित्सालय व फिर जौलीग्रांट स्थित हिमालयन चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था।

चिकित्सकों ने उपचार के बाद उनकी वृद्धावस्था एवं गंभीर चोटों को देखते हुए डिस्चार्ज कर घर भेज दिया था, लेकिन बुजुर्ग महिला की घर लाते हुए मौत हो गई थी। इस मामले में एक अप्रैल को कोतवाली जोशीमठ कैलाश चन्द्र डंगवाल निवासी टंगरी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जब आरोपी से पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाली बुजुर्ग महिला हमेशा बेरोजगारी को लेकर तंज कसती थी। उसे बार-बार मना करने के बावजूद भी वह उसकी सुनती नहीं थी और उसे काम करने के लिए बोलती रहती थी। घटना के दिन भी उसे कुछ काम करने की सलाह दी, जिस पर उसे गुस्सा आ गया और उसने गुस्से में पत्थर से वार कर बुजुर्ग महिला का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हल्द्वानी में गर्मी शुरू होते ही पानी के लिए हाहाकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 मई : गर्मी शुरु होते ही लोगों को पानी की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है. जिसकी वजह से स्थानीय लोगों ने कई बार जल संस्थान का घेराव किया, जिसके बाद अधिकारियों की ओर से आश्वासन मिला कि जल्द ही सेवाओं को दुरुस्त किया जायेगा, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है. शहर के दमुवाढूंगा में लोग पानी को तरस रहे हैंलोगों ने बताया कि स्थानीय विधायक के पास पानी की समस्या को लेकर जाते हैं तो बजट न आने का आश्वासन देकर टरका दिया जाता है और पानी की समस्या से आज भी जूझना पड़ा रहा है सरकार की मंशानुसार हर घर नल योजना के तहत प्रदेश के हर घर में पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को निजात मिलेगी लेकिन जमीनी हकीकत में आज भी लोगों के लिये पानी सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है.

उक्रांद ने किया सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए हवन

विकासनगर। उत्तराखंड क्रांति दल कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार पर जनता की समस्याओं को लेकर संवेदनहीन बने रहने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने तहसील मुख्यालय में प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए हवन किया। तहसील मुख्यालय पर उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने कहा कि प्रदेश की जन समस्याओं को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ही संघर्ष कर रहा है। भू-कानून हो, धारा 371, पलायन की समस्या हो, अंकिता भंडारी हत्याकांड हो, उत्तराखंड राज्य आन्दोलनकारियों की समस्याएं हो, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा किये गए घोटाले हों, अन्य भर्ती घोटाले हों, सभी मसलों पर उक्रांद ही आवाज उठाता रहा है। जबकि भाजपा, कांग्रेस मौन रहती है। कहा कि सरकार द्वारा राज्य आंदोलनकारियों का अपमान और अनदेखी की जा रही है। जिस मातृशक्ति के आंदोलन की वजह से अलग उत्तराखंड राज्य की स्थापना हुई सरकार उनका ही अपमान करने पर आमादा है। जिन महिलाओं की उनके पति की मृत्यु के पश्चात पारिवारिक पेंशन शुरू हुई, उनकी आंदोलनकारी पेंशन सरकार ने बंद कर दी है। कहा कि सरकार को जल्द इस सम्मान को वापस लौटना चाहिए। उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक ने चिह्नीकरण से वंचित वास्तविक राज्य आंदोलनकारियों का जल्द चिह्नीकरण किए जाने की मांग प्रदेश सरकार से की। कहा कि इसके लिए सरकार ने वर्ष 2021 में प्रार्थना पत्र आमंत्रित किए थे, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके साथ ही उन्होंने काबिना मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को बर्खास्त करने, अवैध खनन पर रोक लगाने और रामपुर तिराहा कांड केस के गवाहों को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग प्रदेश सरकार से ही है।

पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग कर होती है रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : यूरोप दुनिया के सबसे अमीर महाद्वीपों में से एक है। यहां मौजूद देशों को काफी विकसित माना जाता है, लेकिन इसके बाद भी इन देशों में अलग-अलग मान्यताओं और रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है, जो काफी विचित्र हैं। आज हम आपको ऐसी ही सात अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी होगी।

1. चेक गणराज्य में बेहद अजीबोगरीब परंपरा का पालन किया जात है, जिसमें पुरुष ईस्टर मंडे को पेड़ की टहनियों से महिलाओं को पीटते (Whipping Monday) हैं। इसके बदले में महिलाएं पुरुषों को अच्छी पिटाई करने के लिए पुरस्कार भी देती हैं। इस परंपरा के तहत कम उम्र के पुरुषों को रंगीन अंडा दिया जाता है और अधेड़ उम्र के पुरुषों को शराब मिलती है। इन लोगों का मानना है कि पिटाई करने से महिलाओं में फर्टिलिटी बेहतर होती है।

2.स्कॉटलैंड में सालों से चली आ रही एक प्रथा के तहत लोग होने वाली दुल्हन पर शादी से पहले (Blackening of the bride) कालिख लगाते हैं। इतना ही नहीं होने वाली दुल्हन को कीचड़ से लेकर अंडे और अन्य चीजों से नहलाया जाता है। लोगों का मानना है कि इससे दुल्हन के अंदर सह-नशीलता आती है, जो शादी के बाद आने वाली समस्याओं झेलने में मदद करती है।

3 . अजीबोगरीब रीति-रिवाजों की लिस्ट में फिनलैंड में खेले जाने वाले वाइफ कैरिंग चैंपियनशिप भी शामिल है, जिसमें पत्नी को अपने ऊपर टांग कर रेस लगाई जाती है। इसमें ज्यादातर लोग पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग लेते हैं, जिससे पति दोनों पैरों को अपने हाथों से पकड़कर भाग सके। रेस में जीतने वाले पुरुष को उसकी पत्नी के वजन के बराबर बियर मिलती है।

चक्रवात मोका : इन राज्यों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

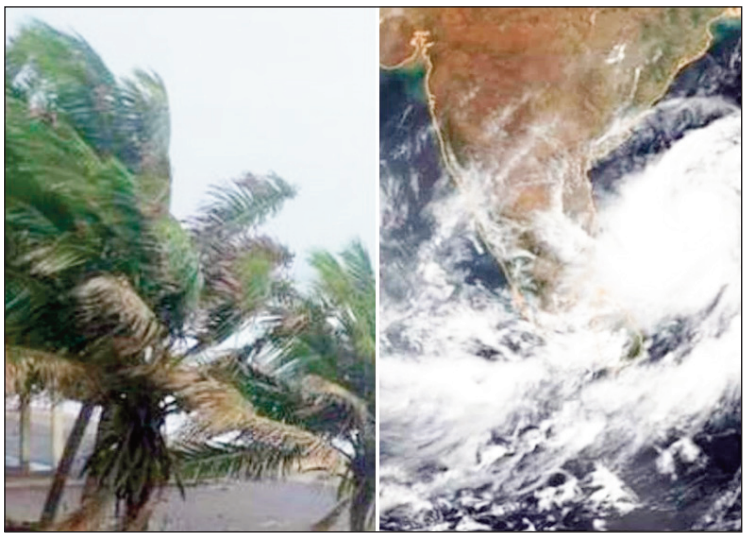

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : बंगाल की खाड़ी में उफान मार रहा नया उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'मोका' इस समय देश में सुर्खियों में है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आई-एमडी) ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा गहरा दबाव बीते दिन चक्रवाती तूफान 'मोका' में बदल गया। इसका असर कई राज्यों में देखने को मिलेगा। इससे बंगाल की खाड़ी के नजदीक तटीय राज्यों में तेज हवाएं और बारिश होगी जबकि मैदानी इलाकों में तापमान बढ़ेगा। फिलहाल चक्रवाती तूफान 'मोका' बांग्लादेश में कॉक्स बाजार से 1210 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम और पोर्ट ब्लेयर से लगभग 510 किमी पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में केंद्रित है। रात तक इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है।आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, बीते दिन चक्रवाती तूफान 'मोका' तबाही मचा सकता है और 12 मई की सुबह तक बहुत गंभीर चक्रवात बन जाएगा। इसके बाद इसके उत्तर-पूर्व दिशा में फिर से मुड़ने की संभावना है और 14 मई की दोपहर तक दक्षिण पूर्व बांग्लादेश और उत्तरी म्यांमार तट के बीच लैंडफॉल कर सकता है।मोका के असर से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। अंडमान सागर और बंगाल की दक्षिण पूर्व खाड़ी में समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहेगी। लहर की ऊंचाई बहुत अधिक होगी, 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लेकर 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।इसके अलावा कर्नाटक, केरल, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। असम, तमिलनाडु के सिक्किम भागों और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है। वहीं, उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में दिन का तापमान और बढ़ सकता है।

अजीबोगरीब रीति रिवाज, विदाई के समय दुल्हन के सिर पर थूकता है पिता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग रीति रिवाजों और परंपराओं का पालन किया जाता है। इस आधुनिक युग में आज भी कई ऐसे लोग हैं, जो अपनी पुरानी परंपराओं का पालन कर रहे हैं।

आदिवासी प्रजातियां अभी भी हजारों साल पुरानी परंपराओं का पालन कर रही हैं। दुनिया में कई जनजातियां पाई जाती हैं, जो अपने रहन-सहन और खानपान के लिए जानी जाती हैं। इनमें कुछ जनजातियां ऐसी हैं, जो अजीबोगरीब रीति रिवाजों का पालन करती हैं, जिनके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। आज हम आपको एक जनजाति के रीति रिवाज के बारे में बताएंगे, जिसके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। इसके साथ ही आप हैरान हो जाएंगे। इस जनजाति में दुल्हन को अजीबोगरीब तरीके से आशीर्वाद देने की परंपरा है। दरअसल जनजाति के लोग दुल्हन के सिर पर थूक कर आशीर्वाद देते हैं।इस जनजाति का नाम मसाई है, जो केन्या और तंजानिया में पाई जाती है। इस जनजाति में लड़कियों की शादी के बाद जब विदाई होती है, तो पिता दुल्हन के सिर और ब्रेस्ट थूकता है। बताया जाता है कि इस अजीबोगरीब तरीके से पिता अपनी बेटी को आशीर्वाद देता है। इस जनजाति में सदियों से यह परंपरा चलती आ रही है।इस परंपरा के मुताबिक, यह पिता का अपनी बेटी के प्रति प्यार जताने का तरीका है। पिता के थूकने को बेटी भी आशीर्वाद मानती है। इस जनजाति सबसे हैरानी वाली बात यह है कि शादी के बाद दुल्हन का सिर मुंडवा दिया जाता है। इसके बाद दुल्हन अपने पिता के सामने घुटने टेकती है और अपने परिवार वालों से आशीर्वाद लेती है।

नैनीताल : परिवार में हुई मामूली कहासुनी किशोर ने नदी के में लगा दी छलांग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 मई : परिवार में हुई मामूली कहासुनी को लेकर एक किशोर ने कोसी नदी के नए पुल से छलांग लगा दी। रात में ही लोगों ने किशोर को नदी से निकाला और सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान किशोर की मौत हो गई। खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। 16 वर्षीय भानु कश्यप पुत्र कुंवर पाल कश्यप मोतीमहल का रहने वाला था। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया बीती रात करीब 10 बजे के आसपास किशोर कोसी नदी पुल के ऊपर से कूद गया था। जिसकी सूचना मिलने पर किशोर को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। कोतवाल ने बताया कि किशोर की परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसको लेकर उसके द्वारा यह कदम उठाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राज्यपाल ने किया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आईआईटी रूडक़ी में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरूवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर आईआईटी रूडक़ी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने संस्थान द्वारा बधिर दिव्यांगों के लिए संचालित अनुश्रुति अकादमी का भ्रमण किया। उन्होंने बच्चों द्वारा बनायी गई पेंटिंग, हैण्डीक्राफ्ट आदि को भी देखा और उनकी सराहना की। इस दौरान राज्यपाल ने संस्थान की टिंकरिंग लैब, संस्थान के पुस्तकालय का भी भ्रमण किया और उन्होंने छात्रों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूडक़ी का 175 वर्षों का देश की सेवा करने का गौरवशाली अतीत रहा है। संस्थान के कई एल्युमनी जो भारत और विदेशों में सफल तकनीकी और सामाजिक उद्यमों के संस्थापक हैं। ये सभी पूर्व छात्र आईआईटी रूडक़ी की उत्कृष्टता की विरासत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

उन्होंने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर कहा की प्रौद्योगिकी विकास के लिए योगदान देने वाले भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का यह महान अवसर है। सचमुच में भारत को आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी सम्पन्न बनाने में हमारे वैज्ञानिकों का बहुत बड़ा योगदान है।

राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी के बल पर हम आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत बन सकते हैं। तकनीकी के बल पर आने वाले 25 सालों के अमृतकाल में हम एक नई ऊचाईयों को अवश्य छूयेंगे। उन्होंने कहा कि आईआईटी रूडक़ी इस बात का उदाहरण है कि कैसे एक 175 साल पुराना संस्थान देश और दुनिया की आधुनिक समय की मांगों को पूरा करने के लिए खुद को ढ़ाल सकता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सभ्यता, संस्कृति व इतिहास को आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ जोडऩा होगा। आईआईटी रुडक़ी ने हमें अनेक बेहतरीन इंजीनियर और वैज्ञानिक दिए हैं, जिन्होंने देश के विकास और राष्ट्र के नव निर्माण में अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि आईआईटी रुडक़ी ने सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप कई नई पहलें की हैं और ज्ञान आधार बनाने के लिए उत्तराखंड में स्थानीय संस्थानों को उनकी शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाने के लिए शामिल किया है। संस्थान ने रुडक़ी और उसके आसपास की औद्योगिक इकाइयों को तकनीकी रूप से ठोस समाधान अपनाने, उनके विकास को गति देने और 'लोकल से ग्लोबल' के उद्देश्य को साकार करने में मदद कर रहा है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आईआईटी रुडक़ी में बनाए गए कई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को देखकर भी मुझे बहुत खुशी हो रही है, पारस्परिक रूप से लाभकारी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रसिद्ध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के साथ सहयोग करना और संबंधों को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर आईआईटी के निदेशक प्रो. के.के पंत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और संस्थान की गतिविधियों की संक्षिप्त और उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान आईआईटी में अनुसंधान व औद्योगिक परामर्श के डीन प्रो. अक्षय द्विवेदी, डीन शैक्षणिक मामले प्रो. अपूर्वा कुमार एवं डीन छात्र कल्याण प्रो. मुकेश कुमार बरूआ द्वारा प्रस्तुतीकरण दिए गए।

इस अवसर पर 'उत्तराखण्ड के भविष्य एवं विकास पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूडक़ी की भूमिका अवसर और संभावनाएं' पर एक बैठक चर्चा हुई।

संपादकीय

कर्नाटक का 'एग्जिट जनादेश'

कर्नाटक में 72 फीसदी से ज्यादा मतदान के साथ जनादेश दर्ज हो चुका है। 13 मई को उसे सार्वजनिक किया जाएगा, लेकिन विभिन्न एग्जिट पोल के जरिए जनादेश का अनुमान लगाया गया है। औसत जनादेश कांग्रेस के पक्ष में लग रहा है। भाजपा की सत्ता जा रही है और जनता दल-एस की ताकत कम होने के संकेत हैं। एग्जिट पोल की पश्चिमी देशों में एक वैज्ञानिक पद्धति और प्रणाली है, लिहाजा उसे विश्वसनीय भी माना जाता रहा है। भारत में एग्जिट पोल गलत भी साबित हुए हैं और कुछ तो बेहद सटीक भी रहे हैं। हमारे यहां मतदान के बाद एग्जिट पोल का फैशन और चलन काफी बढ़ गया है, लेकिन यह अपेक्षाकृत परिपक्व नहीं है। फिर भी हजारों लोगों के बीच सर्वेक्षण कर और उनका मन टटोलने के बाद अनुमान के निष्कर्ष दिए जाते हैं। उनसे संकेत स्पष्ट भी होते हैं। कर्नाटक में चुनाव प्रचार की शुरुआत से ही कांग्रेस बढ़त की स्थिति में थी, लेकिन अब मतदान के बाद लगता है कि कांग्रेस और भाजपा के बीच 5-6 फीसदी वोट का ही अंतर रह सकता है। यह फासला काफी है, क्योंकि इससे सीटों का आंकड़ा बिल्कुल ही बदल जाता है। कांग्रेस को साफ बढ़त है, लेकिन सिर्फ दो एग्जिट पोल ने ही स्पष्ट बहुमत का अनुमान घोषित किया है। कर्नाटक के अंतिम जनादेश से यह भी स्थापित हो जाएगा कि भारत कांग्रेस-मुक्त देश कभी हो ही नहीं सकता। यदि कांग्रेस कर्नाटक में सरकार बना लेती है, तो उसकी सरकारें चार राज्यों में हो जाएंगी। बहरहाल कांग्रेस ने 40 फीसदी कमीशन, यानी भ्रष्टाचार, के साथ चुनाव प्रचार गरमाया था, लेकिन यह मुद्दा उतना बड़ा और प्रभावी साबित नहीं हो सका कि कांग्रेस को एकतरफा जनादेश मिल पाता। भाजपा ने 'बजरंग बली' को धुरवीकरण का मुद्दा बनाया था, लेकिन सर्वे के दौरान लोगों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। जो अनुमान सामने आए हैं, उनमें मुसलमानों के 70 फीसदी से ज्यादा वोट कांग्रेस के पक्ष में लगते हैं, तो भाजपा के परंपरागत समर्थक लिंगायत समुदाय के करीब 65-68 फीसदी वोट भाजपा को मिलते लगते हैं। वोक्कालिगा वोट में भी, कांग्रेस और भाजपा के बीच, फासला बेहद संकीर्ण है। ओबीसी, दलित, जनजाति आदि के वोटों का फासला भी ज्यादा व्यापक और गहरा नहीं है। गौरतलब अनुमान यह है कि करीब 20 फीसदी वोट सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और उनकी लोकप्रियता के मद्देनजर ही भाजपा के पक्ष में आए हैं। दरअसल कांग्रेस की 'मुफ्त गारंटियों' ने महिलाओं और गरीब युवाओं में उसे 'पहली पसंद' बना दिया है।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पुलिस ने छात्रों को कानून की जानकारी दी

नई टिहरी। नरेंद्रनगर थाने की पुलिस चौकी गजा के पुलिस टीम ने जीआईसी गजा के छात्र-छात्राओं को विभिन्न कानूनों व अपराधों की जानकारी देते हुए नशे व साईबर क्राइम को लेकर सचेत किया। पुलिस और गौरा शक्ति एप्प की जानकारी भी छात्रों को दी। गजा चौकी इंजार्च नवीन नौटियाल, इंस्पेक्टर नदीम अथहर व सचिन पुंडीर ने जीआईसी गजा में छात्रों से सीधा संवाद करते हुए एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर छात्रों को यातायात, साईबर क्राइम, नारकोटिक्स, ड्रग्स से जुड़े कानूनों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की अपील की। छात्रों से अवगत कराया कि यातायात नियमों पूर्ण रूप से पालन करें। ताकि इससे जीवन सुरक्षित रखने के साथ ही सुरक्षित यातायात में मदद मिलेगी। पुलिस कर्मियों ने छात्र-छात्राओं को पुलिस व गौरा शक्ति एप्प की जानकारी देते हुए किसी भी परेशानी में पुलिस ने संपर्क करने की अपील की। नशे के कारोबारियों की सूचना गुप्त रूप से देने की बात कहते हुए बताया कि सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह से गुप्त रखा जायेगा। पुलिसकर्मियों ने कहा कि पुलिस जनता की सुरक्षा व व्यवस्था के लिए है। इसलिए पुलिस का हर स्तर पर सहयोग करें। ताकि पुलिस जनता की मदद से अपराधियों पर नकेल कस सके।

मानसखंड झांकी को किशोर ने दिखाई हरी झंडी

नई टिहरी। गणतंत्र दिवस पर प्रथम स्थान पाने वाली उत्तराखण्ड राज्य की झांकी मानसखण्ड को टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला मुख्यालय पर लोगों ने पूरे उत्साह से झांकी के दीदार किये। इस मौके पर मानसखंड झांकी को विधायक किशोर ने उत्तराखंड के गौरव की झलक बताया। जिला मुख्यालय पहुंची मानसखंड झांकी को हनुमान चौक से विधायक किशोर ने हरी झण्डी दिखाने के बाद कहा कि आगामी 13 मई तक झांकी का प्रदर्शन जनपद के विभिन्न मुख्य स्थलों पर किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

बदरीनाथ धाम में हर दिन पहुंच रहे 14 हजार श्रद्धालु

चमोली। बदरीनाथ में अब मौसम अनुकूल होने से बदरीनाथ में भगवान के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बदरीनाथ पहुंच कर भगवान बदरी विशाल के दर्शन के कर रहे हैं। गुरुवार को बदरीनाथ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान बदरी विशाल के दर्शन के लिए पहुंचे। बुधवार सांय तक 1 लाख 60 हजार 507 यात्री बदरीनाथ पहुंचे। पिछले दो तीन दिनों से बदरीनाथ में प्रतिदिन 14 हजार से अधिक यात्री बदरीनाथ में भगवान बदरी विशाल के दर्शन के लिए बदरीनाथ पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डाक्टर हरीश गौड़ ने बताया बदरीनाथ केदारनाथ में बड़ी संख्या में यात्री भगवान के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। बदरीनाथ में भगवान बदरी विशाल के दर्शन के बाद बहुत से श्रद्धालु बदरीनाथ में स्थित ब्रह्म कपाल में अपने पित्रों का पिंडदान करने और तर्पण देने पहुंच रहे हैं।

प्राथमिक विद्यालय को दिए कंप्यूटर और प्रिंटर

चमोली। न्यूजीलैंड की कंपनी मार्गेह की संस्थापक अलिटा सोफिन ने प्राथमिक विद्यालय लंगासू को कंप्यूटर और प्रिंटर मशीन सहित अन्य शिक्षण सामग्री भेंट की। अलिटा आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न जगह पर विद्यालयों को कंप्यूटर सहित अन्य सामग्री वितरित कर रही हैं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शशि कंडवाल ने बताया कि कंप्यूटर मिलने से बच्चे छोटी उम्र से ही तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। उनके सीखने का स्तर भी बढ़ेगा। अलिटा सोफिन ने बच्चों के साथ संवाद किया। कंप्यूटर का प्रयोग कैसे किया जाएगा इसको लेकर उन्होंने कुछ गतिविधियां भी कराई। सोफिया कुछ दिनों तक विद्यालय में जाकर बच्चों के साथ काम करेंगी। इस दौरान सहायक अध्यापक अनसूया प्रसाद थपलियाल भी मौजूद रहे।

कांगेसियों ने किया गौचर में हाईटेक शौचालय का विरोध

चमोली। चार्धाम यात्रा और नगरों में यात्री सुविधाओं की दृष्टि से बन रहे हाईटेक शौचालय का विरोध गौचर में कांगेसियों ने किया है। गौचर के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का कहना है कि पालिका पार्किंग में शौचालय का निर्माण कर रहा है। जिससे नगर की वाहन पार्किंग व्यवस्था लडख़ड़ा जाएगी। कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुनील पंवार ने बताया कि होटल ताज पैलेस के सामने पालिका पार्किंग में पालिका हाईटेक शौचालय का निर्माण कर रही है। बताया कि पालिका ने वर्ष 2004-05 में पर्यटन विभाग द्वारा अवस्थापना के अन्तर्गत वाहन पार्किंग के लिए स्वीकृत किया गया था। परन्तु पालिका द्वारा सारे कायदे-कानूनों को और जन भावनाओं को ताक पर रख कर जबरन उक्त कार्य करवाया जा रहा है। कहा कि चारधाम यात्रा का मुख्य मार्ग होने और गौचर में प्रदेश स्तरीय राजकीय गौचर मेला होने के चलते यहां पहले से वाहन पार्किंग की दिक्कत है। ऐसे में यहां पार्किंग को खत्म कर शौचालय का निर्माण करना दुर्भाग्य पूर्ण है। गुरुवार को कांग्रेसियों ने नगर पालिका प्रशासन को ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि पालिका द्वारा दो दिनों की भीतर उक्त कार्य स्थगित नहीं करवाया गया तो पालिका कार्यालय पर तालाबन्दी के साथ-साथ बड़ा जन आन्दोलन किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व पालिका अध्यक्ष मुकेश नेगी, नगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी गौचर सुनील पंवार, महामंत्री नगर कांग्रेस मनोज नेगी, नगर महामंत्री महावीर नेगी, जिला महामंत्री कांग्रेस कमेटी चमोली, हरीश नयाल, प्रदेश सचिव कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड सुनील शाह, पंकज नेगी आदि उपस्थित रहे।

वृद्ध ने नदी में मारी छलांग, लापता

चमोली। कर्णप्रयाग। गुरुवार सुबह अलकनंदा और पिंडर नदी के संगम पर एक वृद्ध द्वारा नदी में छलांग मारे जाने का मामला प्रकाश में आया है। सूचना पर पुलिस द्वारा नदी में खोजबीन शुरू की लेकिन वृद्ध का कहीं पता नहीं चल पाया है। वृद्ध की पहचान 80 वर्षीय जमुना प्रसाद के रूप में हुई है। हालांकि वृद्ध के कुछ परिजन नदी में पैर फिसलने की संभावना भी जता रहे हैं। इधर प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन राणा ने बताया कि लापता वृद्ध की खोजबीन जारी है।

नशे से युवा हो रहे बर्बादः पांडे

चमोली। पोखरी के मजयाणी में गुरुवार को उपजिलाधिकारी संतोष कुमार पांडे की अध्यक्षता में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने जनता दरवार में पानी, बिजली सडक़, स्वास्थ्य की समस्याएं उठाई। ग्रामीणों ने पोखरी के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी होने की बात कही। कहा कि इस ओर प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिससे युवा तेजी से नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। मजयाणी गांव के ग्रामीणों ने पैडुला तोक में बिजली और पानी की समस्या उठाई। कहा गया कि पेयजल योजना की व्यवस्था न होने से ग्रामीण मीलों दूर प्राकृतिक पेयजल स्रोत से पानी की आपूर्ति कर रहे हैं। गांव में लो वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है। पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित उडामांडा-चौंडी-रौता मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति को सुधारने की मांग भी उठी। चौंडी गांव के ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम सभा में आंगनबाड़ी केंद्र संचालित करने के लिए भवन नहीं है। चौंडी-मजयाणी सडक़ निर्माण कार्य शीघ्र शुरु करने की मांग भी उठाई गई। इस मौके पर ग्राम प्रधान रौता वीरेंद्र सिंह राणा, मजयाणी के प्रधान राकेश सिंह, रमेश चौधरी, केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी नवल किशोर नेगी, जल संस्थान के सहायक अभियंता जगदीश पंवार, थानाध्यक्ष राजेश सिंह, एसआई शिव दत्त जमलोकी, नायब तहसीलदार हरीश चंद्र पांडे, राजस्व निरीक्षक विजयपाल सिंह गुसांई, राजस्व उपनिरीक्षक मनोज आदि मौजूद रहे।

सीडीओ ने काटी गेहूं की फसल

चमोली। मुख्य विकास अधिकारी डा. ललित नारायण मिश्र ने विकासखंड दशोली के ग्राम हरमनी में गेहूं की क्रॉप कटिंग की। काश्तकार धर्मेंद्र सिंह के खेत में 30 वर्ग मीटर का प्लाट बनाकर गेहूं की क्रॉप कटिंग की गई। सीडीओ ने बताया कि क्रॉप कटिंग से क्षेत्र में गेहूं की उपज कितनी हुई है इसका पता चल पाएगा। इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे मनरेगा और राज्य वित्त के कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए। इस दौरान खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी, ग्राम विकास अधिकारी आशीष पंत, नीज, दल्ली लाल, मनोज राणा आदि मौजूद थे।

तकनीकी शिक्षा जीवन का महत्वपूर्ण अंग

चमोली। राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस पर विज्ञान के शिक्षकों और छात्रों ने कहा कि तकनीकी शिक्षा आज की दुनिया में जीवन का महत्वपूर्ण अंग बन गया है। पीस पब्लिक स्कूल में विज्ञान शिक्षक ने कहा कि तकनीकी आज हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। तकनीकी ने हर काम को आसान बना दिया है। राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी दिवस पर शिक्षक एसएस बिष्ट ने भारत में किए गए परमाण परीक्षणों के बारे में बताया। कहा कि तभी से भारत को शक्तिशाली देश की श्रेणी में गिना जाने लगा। विज्ञान शिक्षक संतोष बिष्ट ने कहा कि आज तकनीकी ने हमारे काम को काफी आसान कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने पंतनगर में की जनपद नैनीताल एवं ऊधमसिंह नगर की 07 विधान सभा क्षेत्रों के विकास कार्यों की समीक्षा

उपस्थित विधायकगणों ने मुख्यमंत्री की पहल को सराहा, जताया आभार

- मुख्यमंत्री ने विधायकगणों द्वारा इंगित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को दिये निर्देश
- जन समस्याओं के समाधान तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर ध्यान देने के दिये निर्देश
- समाज कल्याण की योजनाओं के लाभार्थियों की पेंशन पहली तारीख को पहुंचेगी उनके खातों में
- छात्रों को विद्यालय में ही मिलेंगे सभी आवश्यक प्रमाण पत्र।
- मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में सर्किट हाउस बनाये जाने के दिये निर्देश।

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को पं.गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय पंतनगर के प्रशासनिक भवन सभागार में जनपद नैनीताल एवं ऊधमसिंह नगर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इसमें विधान सभा क्षेत्र लालकुआं, भीमताल, नैनीताल, कालाढूंगी, काशीपुर, गदरपुर, रूद्रपर विधान सभा क्षेत्र शामिल थे। समीक्षा बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, बंशीधर भगत, मोहन बिष्ट, सरिता आर्य, शिव अरोरा, अरविन्द पाण्डे, राम सिंह कैड़ा सहित शासन एवं जनपदों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित विधायकगणों ने मुख्यमंत्री की पहल की सराहना करते हुये उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री ने विधायकगणों द्वारा इंगित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को जन समस्याओं के समाधान तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर ध्यान देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पदेश में यह व्यवस्था बनाई जा रही है कि प्रत्येक माह की एक तारीख़ तक समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों की पेंशन उनके खाते में पहुँच जाये। साथ ही छात्रों को उनके समस्त प्रकार के आवश्यक प्रमाण पत्र उनको विद्यालय में ही उपलब्ध कराये जाने का अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा सरलीकरण के रास्ते पर चलने हेतु वन विभाग को प्रोत्साहित किया गया। प्रत्येक जिले में सर्किट हाउस बनाने के लिए निर्देश भी उन्होंने दिये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि आने वाले बारिश के सीजन को देखते हुए आपदा राहत की तैयारियों के साथ जल जनित बीमारियों को दूर रखने के लिए साफ़ सफ़ाई अभियान चलाने, लम्पी वायरस से बचाव के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाये। मुख्यमंत्री ने बैठक में उठाये गये बिंदुओं को शीघ्रता से निस्तारित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि विधायकगणों द्वारा अपने क्षेत्रों की जिन जन समस्याओं को रखा जा रहा है, अधिकारी उन्हें गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान करायें। विकास कार्यों को एक दूसरे पर थोपे जाने के बजाय विभागीय अधिकारी उनका आपसी समन्वय के साथ निस्तारण पर ध्यान दे। जिन जन समस्याओं का समाधान जल्दी हो सकता है, उन्हें शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि गणों द्वारा विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न घोषणाओं के लिए जो भी प्रस्ताव आते हैं, उनका पहले भली भांति परीक्षण कर लिया जाए। यह भी स्पष्ट किया जाए कि यह घोषणा कितनी समयावधि में पूर्ण हो जायेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में एक नई कार्य संस्कृति लागू करनी है। जन समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए अधिकारी संवाद-हीनता को दूर कर आपसी समन्वय बढ़ाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि विधायकगणों द्वारा अपनी विधानसभा क्षेत्रों की जिन जन समस्याओं को बैठक में रखा गया है, सभी विभागीय सचिव उनको प्राथमिकता में लेते हुए यथाशीघ्र समाधान करें।

बैठक में विधायकगणों द्वारा सड़कों के निर्माण एवं सुधारीकरण, नहरों के मरमत्ती-करण, बाढ़ नियंत्रण से संबंधित कार्य, सीवरेज एवं ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने, पर्यटक स्थलों के विकास एवं विधानसभा क्षेत्रों की अन्य समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा जो भी जन समस्याएं रखी गई हैं, उनका हर संभव समाधान किया जायेगा।

जरूरतमंद पत्रकारों और उनके परिजनों क़ो सीएम धामी ने दी राहत

देहरादून, 12 मई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को आर्थिक सहायता हेतु पत्रकार कल्याण कोष एवं मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना हेतु आयोजित समिति के प्रस्ताव को अनुमोदन दिया है।29 अप्रैल 2023 को समिति की बैठक में उत्तराखंड संकटग्रस्त पत्रकारों एवं उनके आश्रितों के लिए पत्रकार कल्याण कोष से प्राप्त आवेदन प्रकरणों पर समिति द्वारा मृतक 09 पत्रकारों के आश्रितों कुल 45 लाख रुपये की आर्थिक सहायता जिसमें प्रत्येक आश्रित परिवार को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के प्रस्ताव पर सहमति बनी थी, जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन दिया गया है। गम्भीर एवं असाध्य रोग से ग्रस्त पत्रकारों के चिकित्सा उपचार के लिए 05 पत्रकारों

को कुल 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने एवं एक प्रकरण को मुख्यमंत्री राहत कोष से 72293 रुपये की आर्थिक सहायता देने के प्रस्ताव पर सहमति बनी थी, जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन दिया गया है।

भारतीय चित्र साधना का फिल्मोत्सव पंचकुला में अगले वर्ष

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। भारतीय चित्र साधना द्वारा पांचवां चित्र भारती फिल्म फेस्टीवल अगले वर्ष 23, 24, 25 फरवरी को पंचकुला हरियाणा में होगा। जिसमें उत्तराखंड की भी प्रवृष्टियों को शामिल किया जाएगा। इस मौके पर चित्र भारतीय फिल्म उत्सव-2024 के पोस्टर का विमोचन किया गया। विश्व संवाद केंद्र राजपुर रोड में चित्र भारती फिल्मोत्सव को लेकर हुई भारतीय चित्र साधना उत्तराखंड चैप्टर की प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पदम सिंह ने बताया कि फिल्म फेस्टीवल में उत्तराखंडी संस्कृति, सामाजिक व अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित युवा कलाकार, फिल्म निर्माताओं द्वारा बनाई जा रही लघु फिल्म, डॉक्यूमेंट्री को भी शामिल किया जाएगा, ताकि राज्य के नवोदित फिल्मकार व कलाकारों को अखिल भारतीय स्तर पर मंच प्रदान किया जा सके। चित्र साधना उत्तराखंड संयोजक डॉ. दिनेश उपमन्यु ने बताया फिल्मोत्सव की एंट्री 1 सितंबर से 23 नवंबर के बीच स्वीकार की जाएगी। प्रतिभागी बाल फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और कैंपस वर्ग में एंट्री भेज सकते हैं।

फिल्मोत्सव में हिस्सा लेने के लिए आठ विषय निर्धारित किए गए हैं। जिनको ध्यान में रखकर ही प्रवृष्टि ली जाएगी। महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन, समरसता, पर्यावरण, भविष्य का भारत, जनजातीय समाज, ग्रामीण विकास व वसुधैव कुटुम्बकम जैसे विषय शामिल किए गए हैं। विजेताओं के लिए दस लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है। मौके पर रणजीत ज्याला विभाग प्रचार प्रमुख, सुरेंद्र मित्तल प्रांत व्यवस्था प्रमुख, बलदेव पाराशर प्रांत मीडिया संवाद प्रमुख, हिमांशु अग्रवाल मौजूद थे।

गोल्डन कार्ड के नाम पर हो रही कटौती वापस करे सरकार

नई टिहरी। नरेंद्रनगर में राजकीय पेंशनर्स संगठन ने बैठक कर पेंशनरों की समस्याओं पर चर्चा की। पेंशनरों ने गोल्डन कार्ड के नाम पर की जा रही कटौती को सरकार से वापस देने की मांग की। उन्होंने कहा उनकी मांग को नहीं माना जाता है तो पेंशनरों को आंदोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा। गुरुवार को नरेन्द्रनगर ब्लॉक के पेंशनरों ने नरेन्द्रनगर में बैठक कर गोल्डन कार्ड के नाम पर की जा रही कटौती को वापस लेने की मांग की। संगठन की वरिष्ठ सदस्य शीला रतूड़ी तथा विजेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन से गोल्डन कार्ड के नाम कटौती कर रही है, लेकिन उन्हें उसके मुताबिक सुविधा नहीं दी जा रही है। कहा सेवा निवृत्त कर्मचारियों की ओर से कई बार गोल्डन कार्ड के नाम की जा रही कटौती बंद करने की मांग गई है। लेकिन सरकार की ओर से सकारत्मक कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने सरकार से पेंशन खाते से की जा रही कटौती को वापस करने की मांग की है। कहा मामले में जल्द उचित निर्णय नहीं होती है, पेंशनर संगठन को आंदोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा। बैठक में महालक्ष्मी बिजल्वाण, प्रेमावती पांडे,राजेंद्र भंडारी, भोला बिष्ट, जयपाल नेगी, बुद्धिराम सेमवाल, सुंदर बिजल्वाण, विमला बहुगुणा, राम प्रसाद रयाल, हंसलाल असवाल, विजेंद्र रावत,अनुसूया पैन्यूली, गोपालदत्त खंडूडी, प्रेमबहादुर थापा, बीनू माझी, पुष्पा बंग्वाल, पूर्णानंद बहुगुणा आदि शामिल थे।

30 स्थानों पर हुई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

देहरादून। जनपद में अतिक्रमण से बाधित सडक़ों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाए जाने हेतु जिलाधिकारी सोनिका के निर्देशन पर 5 जोन बनाए गए है, जिनके लिए नगर निगम, पुलिस, प्रशासन की अलग-अलग संयुक्त टीम बनाकर प्रथम चरण में अतिक्रमण हटाए जाने की कार्यवाही की जा रही है। आज लालपु से कारगी चैक , किशन नगर चैक से पण्डितवाड़ी ,सर्वे चैक से तपोवन, ट्रांस्पोर्टनगर से बल्लुपुर तथा दिलाराम से मसूरी डाईवर्जन तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। पांचो टीमों द्वारा आज अपने-अपने जोन में 30 स्थानों से अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही की गई।

कोटद्वार में बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं को रोकें अधिकारी: ऋतु

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों के साथ कोटद्वार के विकास कार्यों और विभिन्न विषयों को लेकर बैठक की। बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को जरूरी सुझाव और दिशा निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने कोटद्वार में बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने यातायात पुलिस क्षेत्र अधिकारी को क्षेत्र में हेलमेट पहनने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही नुक्कड़ नाटक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मई महीने के अंत तक क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाये जाने तथा जून के आरंभ से ही बिना हेलमेट और लापरवाही से वाहन चलाने वालों के चलान करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर आयुक्त को चौराहों के सौंदर्यीकरण, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, कूड़ा निस्तारण और शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ ही पुलिस प्रशासन को क्षेत्र में नशाखोरी, अवैध शराब और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, नगर आयुक्त वैभव, सीओ कोटद्वार वैभव सैनी आदि मौजूद रहे।